भा०वा०अ०शि०प०-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा इको टास्क फोर्स के अधिकारियों एवं सैनिकों के लिए दिनांक 23 - 24 जून, 2026 को आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "*महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों की बीज, नर्सरी एवं रोपण तकनीक*" की रिपोर्ट

भा०वा०अ०शि०प०-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 23 - 24 जून, 2026 को जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फन्ट्री और डोगरा रेजीमेंट के इको टास्क फोर्स के अधिकारियों एवं सैनिकों के लिए ***"महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों की बीज, नर्सरी एवं रोपण तकनीक"*** विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ में प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक श्री० पीताम्बर सिंह नेगी, वैज्ञानिक-ई ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डा० मनीषा थपलियाल, सभागार में मौजूद समस्त वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में पधारे ईको टास्क फोर्स के अधिकारी एवं सेनानियों का स्वागत किया। इस के उपरांत उन्हों ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,शिमला द्वारा उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में वानिकी से संबंधित किए जा रहे शोध कार्यों पर प्रतिभागियों के समक्ष अपने विचार रखे ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डा० मनीषा थपलियाल द्वारा किया गया । उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि ईको टास्क फोर्स हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पर्यावरण संरक्षण एवं पौध रोपण कार्यों में सराहनीय योगदान दे रही है । उन्होंने यह भी कहा कि सर्व प्रथम गढ़वाल राइफल के 127 इन्फेंट्री बटालियन को हिमालयी क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त क्षेत्रों के पुनर्वास एवं पारिस्थितिकी संतुलन बनाये रखने के उद्देश्य से की गयी थी । उन्होंने कहा कि इको टास्क फोर्स का प्रमुख कार्य कठिन क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर के वन आवरण को बढ़ाना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इन के लिए बहुत लाभप्रद रहेगी।

इस प्रशिक्षण के तकनीकी स्तर के दौरान संस्थान के वैज्ञानिक पीताम्बर सिंह नेगी ने ***"वानिकी बीजों का संग्रह, रख-रखाव, भंडारण, सुप्तावस्था और बुवाई-पूर्व उपचार"*** विषय पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। अपनी प्रस्तुति में, उन्होंने ने वानिकी प्रजातियों के बीजों की विभिन्न पहलुओं जैसे की बीज एकत्रण, रखरखाव, भंडारण एवं बुवाई पूर्व उपचार पर विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी । इस के उपरांत डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जी ने "***अच्छी गुणवत्ता वाले पौधे तैयार करने के लिए***

आधुनिक नर्सरी तकनीक" विषय पर अपना वयाखान दिया। ड़ा० मोहम्मद इब्राहीम, वैज्ञानिक-ई ने "***वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री का चयन"*** विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। ड़ा० रणजीत कुमार, वैज्ञानिक-एफ ने ***"जंगल की आग और उसका प्रबंधन"*** विषय पर अपना वयाखान दिया। ड़ा० अश्वनी तप्वाल, वैज्ञानिक-एफ ने "***वन वृक्षों के रोग और उनका प्रबंधन"*** विषय पर अपना वयाखान दिया। इस के उपरान्त समस्त प्रशिक्षुओं को संस्थान के प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का दौरा करवाया गया और संस्थान द्वारा चलाये जा रहे शोध कार्यों से अवगत करवाया गया

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन पहला व्याख्यान संस्थान के वैज्ञानिक पीताम्बर सिंह नेगी ने "**महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों की नर्सरी और वृक्षारोपण तकनीकें**" विषय पर एक प्रस्तुति दी। अपनी प्रस्तुति में, उन्होंने प्रमुख वानिकी प्रजातियां- जुनिपर, भोजपत्र, देवदार, राई, तोष, तालिशपत्र रखाल, चिलगोजा, बान, बानी, मोहरू, खरसू, ब्रे ओक की पौधशाला में उच्च गुणवत्ता पौधे तैयार करने एवं उन की पौधरोपण तकनीकों पर विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी । इस के उपरांत डा० पवन कुमार, वैज्ञानिक-एफ ने "**वानिकी की महत्वपूर्ण प्रजातियों में कीट-पतंगों का प्रबंधन"** विषय पर अपना वयाखान दिया । उन्होंने विशेष रूप से देवदार, चिलगोजा, बान, मोहरू, जुनिपर के बीजों एवं पौधों में लगने वाले कीट-पतंगों के प्रबंधन एवं रोकथाम पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री० कुलदेश कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने, **"ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, के० एम्० फाइल एवं वानिकी में इन का उपयोग"** विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इस के उपरांत डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक-जी ने "**पौधरोपण की तकनीकें और उनका प्रबंधन"** विषय पर अपना वयाखान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डा० मनीषा थपलियाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल इको टास्क फोर्स के अधिकारियों एवं सैनिकों को प्रमाण पत्र दिये । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 129 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फन्ट्री और 133 डोगरा रेजीमेंट से सम्बन्धित ईको टास्क फोर्स के 25 अधिकारी एवं सैनिकों ने भाग लिया । समापन समारोह के अंत में प्रशिक्षण समन्वयक वैज्ञानिक पीताम्बर सिंह नेगी ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डा० मनीषा थपलियाल, कमांडिंग ऑफिसर श्री० दीपक कुमार, लेफ्टिनेंट कर्नल श्री० प्रवीन कुमार, लेफ्टिनेंट कर्नल श्री० विनय पठानिया, समस्त वक्ताओं, अन्य अधिकारी एवं सैनिकों का हार्दिक धन्यवाद किया।

A Report on "*Seed, Nursery and Plantation Techniques of Important Forestry Species*" organized by ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla for officers and soldiers of Eco Task Force on June 23–24, 2026

A two-day training program on "Seed, Nursery, and Plantation Techniques of Important Forestry Species" was organized by ICFRE- Himalayan Forest Research Institute, Shimla on June 23–24, 2026, for officers and soldiers of the Eco Task Force of the Jammu and Kashmir Light Infantry and the Dogra Regiment.

At the inauguration of this two-day training program, Training coordinator, Sh. Pitambar Singh Negi, Scientist-E, welcomed Dr. Manisha Thapliyal, Director of the ICFRE- Himalayan Forest Research Institute, Shimla; all the scientists and technical officers present in the auditorium; and the officers and personnel of the Eco Task Force attending the program. Subsequently, he shared his views with the participants regarding the forestry-related research being conducted by the ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla, in the North-Western Himalayan regions.

This training program was inaugurated by Dr. Manisha Thapliyal, Director of ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla. In her address, she stated that the Eco Task Force is making a commendable contribution to environmental conservation and plantation activities in Himachal Pradesh and Uttarakhand. She also noted that the 127 Infantry Battalion of the Garhwal Rifles was initially established with the objective of rehabilitating degraded areas in the Himalayan region and maintaining ecological balance. She stated that the primary task of the Eco Task Force is to increase forest cover by undertaking plantation drives in difficult terrains. This training program will prove highly beneficial for them.

During the technical session of the training, Institute scientist Sh. Pitambar Singh Negi delivered a detailed presentation on the topic ***"Seed Collection, Handling, Storage, Dormancy and Pre-sowing Treatments of Forestry Seeds".*** In his presentation, he covered various aspects of seeds from forestry species, such as seed collection, handling, storage, and pre-sowing treatment.

Subsequently, Dr. Sandeep Sharma, Scientist-G, delivered a lecture on ***"Modern Nursery Technique for Production of Quality Planting Stock".*** Dr. Mohammad Ibrahim, Scientist-E, gave a detailed presentation on "***Selection of Quality Planting Material for the Plantation Programme***". Dr. Ranjeet Kumar, Scientist-F, delivered a lecture on "*Forest Fires and Their Management*."

Dr. Ashwani Tapwal, Scientist-F, delivered a lecture on the topic "***Diseases of Forest Trees and Their Management***". Subsequently, all the trainees were taken on a tour of the institute's laboratories and the Technology Demonstration Centre, and were apprised of the research activities being conducted by the institute.

On the second day of the training program, Sh. Pitambar Singh Negi, Scientist-E delivered the first lecture on **"*Nursery and Plantation Techniques of Important Temperate Forestry Species*."** In his presentation, he provided a detailed overview of techniques for raising high-quality seedlings and planting key forestry species such as Juniper, Bhojpatra, Deodar, Rai, Tosh, Talishpatra, Chilgoza, Ban, Bani, Mohru, Kharsu, and Grey Oak.

Subsequently, Dr. Pawan Kumar, Scientist-F, delivered a lecture on the topic "***Insect Pest Management of Important Forestry Species***"**.** He specifically focused on the management and control of insect pests affecting the seeds and seedlings of Deodar, Chilgoza, Ban, Mohru, and Juniper. Mr. Kuldesh Kumar, Senior Technical Officer, gave a detailed presentation on **"*Global Positioning System (GPS), KML Files, and Its Application in Forestry*."**

Subsequently, Dr. Sandeep Sharma, Scientist-G, delivered a lecture on the topic **"*Plantation Techniques and Their Management."*** At the valedictory ceremony of the training program, Dr. Manisha Thapliyal, Director of ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla, presented certificates to the officers and personnel of the Eco Task Force who had participated in the training. 25 officers and soldiers from the Eco Task Forces associated with the 129 Jammu and Kashmir Light Infantry and the 133 Dogra Regiment, Himachal Pradesh participated in this training program.

At the conclusion of the closing ceremony, Training Coordinator and Scientist Sh. Pitambar Singh Negi extended heartfelt thanks to Dr. Manisha Thapliyal Director, ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Commanding Officer Shri Deepak Kumar, Lieutenant Colonel Shri Praveen Kumar, Lieutenant Colonel Shri Vinay Pathania, all the speakers, and the other officers and soldiers.

प्रशिक्षण कार्यक्रम की तस्वीरें

Glimpses of Training

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla
हि.व.अ.सं.
HFRI

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla
HFRI

GPS, KML files and its
Application in Forestry

TWO DAYS TRAINING ON "SEED, NURSERY AND PLANTATION TECHNIQUES OF IMPORTANT FORESTRY SPECIES"
FOR OFFICIALS OF ECOTASK FORCE

"महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों की बीज, नर्सरी एवं रोपण तकनीक"
TWO DAYS TRAINING ON "SEED, NURSERY AND PLANTATION TECHNIQUES OF IMPORTANT FORESTRY SPECIES"
CONFERENCE HALL, ICFRE-HFRI, SHIMLA

Himalayan Forest Research Institute, Shimla
भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

<--o-->